Chapter-1
DATE 08-02-2026
PAGE NO.

पालमपुर गाँव की कहानी

अवलोकन

☆ पालमपुर एक काल्पनिक गाँव है।

परिचय

☆ पालमपुर गाँव में लगभग 450 परिवार रहते हैं।
☆ एक बड़ा गाँव रायगंज पालमपुर से तीन किलोमीटर की दूरी पर है।
☆ पालमपुर का सबसे निकटतम कस्बा शाहपुर है।
☆ पालमपुर में 80 दलित (अनूसुचित जाती) परिवार रहते है।
☆ पालमपुर के अधिकांश परिवार कृषि कार्य से जुड़े हुए है।
☆ कुछ परिवार गैर-कृषि क्रियाऐं से जुड़े हुए हैं। जैसे :- लघु विनिर्माण परिवहन दुकानदारी आदि।

लघु-विनिर्माण → मिट्टी का बर्तन बनाना टोकरी अगरबत्ती अचार आदि।

उत्पादन का संगठन

☆ वस्तुओं और सेवाओं के लिए चार चीजें आवश्यक है।

(i) भूमि
(ii) श्रम
(iii) भौतिक पूँजी
(iv) मानव पूँजी

Scanned with OKEN Scanner

पालमपुर में खेती

- पालमपुर में 75% लोग अपनी जीविका के लिए खेती पर निर्भर है।

बहुविध फसल प्रणाली

- एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करने को बहुविध फसल प्रणाली कहते है।

- 1960 के दशक में हरित क्रान्ति का शुरूआत हुआ था।

पालमपुर में गैर - कृषि कार्य

(i) डायरी

(a) दूध एवं दूध के उत्पादन से संबंधित उत्पादन को डेयरी फॉर्म कहा जाता है।

(b) पालमपुर का दूध नजदीकी बड़ा गाँव रायगंज में बेचा जाता है।

(c) शाहपुर शहर में दूध संग्रहण एवं शीतलता का केन्द्र है।

(d) लोग अपने भैंसो को ज्वार एवं बाजरा (चरी) खिलाते है।

GLORY

Genius

Scanned with OKEN Scanner

(ii) विनिर्माण (लघु उद्योग)

— पालमपुर के 50 लोग विनिर्माण कार्य से जुड़े हुए है।

(iii) दुकानदार

(a) गाँव के दुकानदार शहर से थोक समान लाकर गाँव में खुदरा बेचते थे।

(b) यहाँ के दुकान में तेल घी बिस्कुट टूथपेस्ट आटा चीनी गुड़ साबुन आदि खुदरे दामों में मिलते है।

(iv) परिवहन

— कुछ लोग रिक्शा तांगा जीप ट्रैक्टर ट्रक आदि के ड्राइवर है जो चालक का कार्य करते है।

GLORY

Genius

DATE
PAGE NO.

* निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

3. पालमपुर में बिजली के प्रसार ने किसानों की किस तरह मदद की ?

उत्तर» पालमपुर में बिजली के जल्दी आ जाने से किसानों को कई महत्त्वपूर्ण लाभ हुए जिन्होंने खेती के तरीके को पूरी तरह बदल दिया। तब तक किसान कुओं से रहट द्वारा पानी निकालकर छोटे-छोटे खेतों की सिंचाई किया करते थे और अब बिजली से चलने वाले नलकूपों से ज्यादा प्रभावकारी ढंग से अधिक क्षेत्र की सिंचाई की जा सकती है।

4. क्या सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है ? क्यों ?

उत्तर» हाँ सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना बहुत महत्त्वपूर्ण है इसके मुख्य कारण :

- वर्षा का अनिश्चितता
  — भारत में खेती मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर करती है।

- पैदावार में वृद्धि
  — पर्याप्त और समय पर पानी मिलने से फसलों की गुणवत्ता और पैदावार दोनों में सुधार होता है।

6. पालमपुर में खेतिहार श्रमिकों की मजदूरी न्युनतम से कम क्यों है ?

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर 2) पालमपुर में खेतिहार श्रमिकों की संख्या बहुत अधिक है जबकि काम के अवसर कम है इस कारण श्रमिकों के बीच काम सीमित है। इस वजह से श्रमिकों के बीच काम पाने के लिए बहुत ज्यादा रहती है।

8. एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के अलग-अलग कौन से तरीके हैं? समझाने के लिए उदाहरणों का प्रयोग कीजिए।

उत्तर 3(i) एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करने पर बहुविध फसल प्रणाली कहते हैं।

(ii) अधिक उत्पादन वाले बीजों और आधुनिक उपकरणों के उपयोग से भी उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। जिसे हरित क्रान्ति भी कहते हैं।

10. मझोले और बड़े किसान कृषि से कैसे पूँजी प्राप्त करते हैं? वे छोटे किसानों से कैसे भिन्न हैं?

उत्तर) मझोले और बड़े किसानों के पास भूमि का बड़ा हिस्सा होता है जिससे वे अपनी जरूरत से कहीं अधिक अनाज पैदा करते हैं। और इससे उसे पूँजी प्राप्त करते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

13. आपके क्षेत्र में कौन से गैर-कृषि उत्पादन कार्य हो रहे हैं? इनकी एक संक्षिप्त सूची बनाइए।

उत्तर - मेरे क्षेत्र में प्रमुख गैर-कृषि उत्पादन कार्यों में पशुपालन व डेयरी, छोटे पैमाने पर विनिर्माण, सिलाई-कढ़ाई, दुकानदारी, परिवहन सेवाएँ और मुर्गी पालन शामिल हैं।

गैर-कृषि उत्पादन कार्यों की सूची

- पशुपालन – दूध उत्पादन, पनीर और घी बनाना।
- लघु विनिर्माण – आटा चक्की, तेल कोल्हू आदि।
- व्यापार – किराना स्टोर, फल, सब्जी, कपड़ा आदि।
- परिवहन – टैम्पो, रिक्शा, ट्रैक्टर आदि।
- कुटीर उद्योग – मोमबत्ती या अगरबत्ती बनाना।
- मुर्गी पालन – अण्डे और मांस उत्पादन।
- सेवा क्षेत्र – ऑटो मरम्मत, मोबाइल रिपेयरिंग आदि।

10. उत्तर - मझोले और बड़े किसान मुख्य रूप से अपनी पिछली फसल की बचत, बैंक ऋण और कृषि उपज बेचकर पूँजी प्राप्त करते हैं। छोटे किसानों के विपरीत जिनके पास जमीन कम होने से बचत नहीं होती और वे साहूकारों से उच्च ब्याज पर कर्ज लेने को मजबूर होते हैं, बड़े किसान अपनी संचित पूँजी का उपयोग आसानी से कर लेते हैं।

संसाधन के रूप में लोग

★ मानव एक - दूसरे के लिए उपयोगी है इसलिए मानव भी एक प्रकार का संसाधन है।

★ मानव का मूलभूत आवश्यकता दिन में दो बार खाना दो सेट कपड़ा एवं सभी मौसम में रहने योग्य 'मकान' है।

★ मानव का मूल्य (value) शिक्षा स्वास्थ्य और धन से कम या ज्यादा होता है।

★ मानव पूंजी - (Education, Health, skills, Tranning) शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, प्रशिक्षण आदि।

महत्वपूर्ण मानव पूँजी

(1) शिक्षा (Education)

(a) शिक्षा हमारे भविष्य को बेहतर बनाता है।

(b) शिक्षा ही लोगों को बेहतर वेतन और अच्छा काम प्रदान करता है।

(c) शिक्षा स्वयं के साथ - साथ समाज और देश के विकास में योगदान देता है।

(d) शिक्षा पर पहली पंजवर्षीय योजना में 151 करोड़ खर्च की गई थी। जबकि वर्ष 2020-21 में शिक्षा पर खर्च 99,300 करोड़ हो गया।

(e) भारत में साक्षरता दर भी धीरे - धीरे बढ़ रहा है।

Genius
Scanned with OKEN Scanner

DATE
PAGE NO.

(f) भारत में 1950-51 के समय 750 महाविद्यालय एवं 30 विश्वविद्यालय थे।

(g) भारत में 2022-23 में 47,844 महाविद्यालय एवं 1085 विश्वविद्यालय थे।

2.) स्वास्थ्य (Health)

(a) मानव पूंजी में स्वास्थ्य का भी महत्त्वपूर्ण योगदान है यह मानव के जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण पूंजी है।

(b) स्वस्थ व्यक्ति ही किसी कार्य का सम्पादन कर पाएगा अन्यथा नहीं।

(i) जन्म दर — एक वर्ष में कुल जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या जन्म दर कहलाती है।

(ii) मृत्यु दर — एक वर्ष में कुल मरने वाले लोगों की संख्या मृत्यु दर कहलाता है।

(iii) शिशु-मृत्यु दर — एक वर्ष में प्रति हजार जन्मे शिशुओं में 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मरने वालों की संख्या शिशु-मृत्यु दर कहलाता है।

3.) कौशल (Skill)

(a) — मानव में कई विशेष कार्य करने की क्षमता जो दूसरों से अलग बनाता है उसे कौशल कहते हैं।

Ex: — Typing, Playing Cricket, Playing Football, Singing, Dancing, etc.

DATE
PAGE NO.

4) प्रशिक्षण (Tranning)

- प्रशिक्षण का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी विशिष्ट कार्य, कौशल या ज्ञान में दक्ष बनाने के लिए दी जाने वाली नियोजित शिक्षा या अभ्यास।

★ बेरोजगारी (Unemployment)

- जब कोई व्यक्ति किसी ~~कार्य~~ प्रकार के कार्य से नहीं जुड़ा रहता है, उसे बेरोजगार कहते हैं एवं इस गुण को बेरोजगारी कहा जाता है।

★ बेरोजगारी के प्रकार (Types to Unemployment)

i) खुली बेरोजगारी

- इसमें लोग किसी भी प्रकार के कार्य से जुड़े नहीं रहते हैं।

Ex:- ताश खेल रहे लोग, घर में बैठकर खाने वाले लोग आदि।

ii) अल्प बेरोजगारी

- इसमें लोगों को अपने क्षमता के अनुसार कार्य नहीं मिलते हैं।

Ex:- उच्च शिक्षा ग्रहण करके निम्न कार्य करता हुआ व्यक्ति।

~~इसमें लोगों को~~

★ अल्प बेरोजगारी को प्रच्छन्न या छिपी बेरोजगारी भी कहा जाता है।

GLORY Genius

Scanned with OKEN Scanner

(iii) मौसमी बेरोजगारी (Seasonal Unemployment)

– इसमें लोगों को मौसम के अनुसार कार्य मिलता है।
Ex:- किसान, कृषक, मजदूर, टेन्टवाला, आइसक्रीमवाला आदि

(iv) शिक्षित बेरोजगारी (Educational Unemployment)

– इसमें लोग शिक्षा ग्रहण करके घर पर खाली बैठते हैं।
Ex:- शिक्षा प्राप्त करके घर पर बैठना।

Q. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. 'संसाधन के रूप में लोग' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर:) 'संसाधन के रूप में लोग' का अर्थ है देश की कार्यरत जनसंख्या जो अपने ज्ञान, शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य के बल पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान देता है।

3. मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा की क्या भूमिका है?

उत्तर:) मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण निवेश है जो ज्ञान, कौशल और उत्पादकता बढ़ाकर व्यक्तियों को उत्पादक संपत्ति में बदलती है।

4. मानव पूँजी निर्माण में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है?

उत्तर:) मानव पूँजी निर्माण में स्वास्थ्य एक आधारभूत स्तंभ है जो किसी भी व्यक्ति की कार्यक्षमता, उत्पादकता और

जीवन की गुणवत्ता बढ़ाकर ~~a~~ देश के आर्थिक विकास को गति देता है।

5. किसी व्यक्ति के कामयाब जीवन में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है ?

उत्तर=) किसी व्यक्ति के कामयाब जीवन में स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। अच्छा स्वास्थ्य ऊर्जा कार्यक्षमता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ाता है।

9. 'बेरोजगारी' शब्द की आप कैसे व्याख्या करेंगे ?

उत्तर=) 'बेरोजगारी' वह आर्थिक और सामाजिक स्थिति है जिसमे 21-59 वर्ष के बीच का कोई भी व्यक्ति काम करने के लिए योग्य और इच्छुक हो लेकिन प्रचलित मजदूर दर पर उसे उत्पादक रोजगार न मिल पाए।

11. शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए एक विशेष समस्या क्यों है ?

उत्तर=) शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए एक विशेष समस्या इसलिए है क्योंकि यह जनसंख्याकीय लाभांश (युवा आबादी) को जनसांख्यिकीय आपदा में बदल रही है।

13. क्या आप शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोज़गारों की समस्या दूर करने के लिए कुछ उपाय सुझा सकते हैं?

GLORY Genius

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर ⇒ शिक्षित बेरोजगारी दूर करने के लिए शिक्षा प्रणाली में बदलाव व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा पर जोर कौशल विकास को अनिवार्य करना और पाठ्यक्रम को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप बनाना आवश्यक है।

15. किस पूँजी को आप सबसे अच्छा मानते हैं - भूमि श्रम भौतिक पूँजी और मानव पूँजी ? क्यों ?

उत्तर ⇒ हम मानव पूँजी को सबसे अच्छा पूँजी मानते हैं क्योंकि यह अन्य सभी संसाधनों - जैसे भूमि, जल खनिज और भौतिक पूँजी (मशीनें) - को उपयोगी और उत्पादक बनाती है।

7. आर्थिक और गैर-आर्थिक क्रियाओं में क्या अंतर है?

उत्तर → आर्थिक क्रियाएँ आय, लाभ या संपत्ति अर्जित करने के लिए की जाती है जैसे नौकरी या व्यवसाय करना गैर-आर्थिक क्रियाएँ व्यक्तिगत संतुष्टि, प्रेम या सामाजिक सेवा के लिए की जाती है। जिसमें वित्तीय लाभ का उद्देश्य नहीं होता।

GLORY
Genius
Scanned with OKEN Scanner

Chapter-3

DATE
PAGE NO.

निर्धनता : एक चुनौती

निर्धनता – गरीबी चुनौती – रुकावट

निर्धनता – धन की कमी होना निर्धनता कहलाता है।

निर्धनता का कारण :

(i) भूमिहीनता
(ii) बेरोजगारी
(iii) परिवार का आकार
(iv) निरक्षरता
(v) कुपोषण
(vi) बाल - श्रम
(vii) असहायता

निर्धनता रेखा (Poverty Line)

किसी व्यक्ति के पास उपलब्ध संसाधन के आधार पर तय किया जाता है कि वह कितना गरीब या अमीर है। गरीबी या अमीरी बताने वाले इस रेखा को निर्धनता रेखा कहा जाता है।

भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 2400 कैलोरी प्रति व्यक्ति के लिए स्वीकृत किया गया है।

भारत में शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन 2100 कैलोरी प्रति व्यक्ति के लिए स्वीकृत किया गया है।

समय - समय पर निर्धनता रेखा पर संशोधन किया जाता है।

निर्धनता रेखा का निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में ₹816/ महीना प्रति व्यक्ति के दर से किया जाता है।

Genius

GLORY

DATE
PAGE NO.

★ निर्धनता रेखा का निर्धारण शहरी क्षेत्रों में ₹1000/ महीना प्रति व्यक्ति के दर से किया जाता है।

★ निर्धनता रेखा का निर्धारण NSSO करता है।

NSSO - National Sample Survey Organigation
(राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन)

असुरक्षित समूह

★ खाद्य असुरक्षित समूह
– ऐसे समूह जिसे संतुलित भोजन की कमी होती है उसे खाद्य असुरक्षित समूह कहते हैं।

★ निर्धन लोग खाद्य असुरक्षित समूह के अंतर्गत आते हैं।

★ अमीर लोग आपदा के समय खाद्य सुरक्षा का सामना करता है।

वैश्विक निर्धनता परिदृश्य
– विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण एशियाई देश भारत, पाकिस्तान, बंग्लादेश, नेपाल श्रीलंका भूटान, आफगानिस्तान एवं मालदीव में गरीबों की संख्या में कमी आ रही है।

★ इन देशों में 2017 में 13% से गिरकर 2021 में 11% हो गई। जब लेटिन अमेरिका में 0.2% गरीब बढ़ गई है।

GLORY
Genius

निर्धनता - निरोधी उपाय

#

☆ भारत सरकार की वर्तमान निर्धनता - निरोधी रणनीति मोटे तौर पर दो कारकों पर निर्भर है :

(i) आर्थिक संवृद्धि

(ii) लक्षित निर्धनता - निरोधी कार्यक्रम

☆ निर्धनता हटाने के लिए सरकार द्वारा चलाया गया कुछ योजना :

(i) प्रधानमंत्री रोजगार योजना - 1993

(ii) ग्रामीण रोजगार सृजन - 1995

(iii) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना - 1999

(iv) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना - 2000

(v) अंत्योदय अन्न योजना - 2000

(vi) प्रधानमंत्री जन धन योजना - वर्तमान

(vii) प्रधानमंत्री उज्जवला योजना - वर्तमान

(viii) प्रधानमंत्री किसान सम्मान विधि - वर्तमान

निष्कर्ष

(i) वर्तमान में निर्धनता में काफी सुधार है।

(ii) अभी लगभग सभी लोगों के पास रहने के लिए पक्का मकान है।

(iii) अभी के समय में लगभग सभी लोगों के मूलभूत आवश्यकता पूरा हो रहा है।

GLORY

Genius

Scanned with OKEN Scanner

Questions / Answer

1. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन कैसे किया जाता

उत्तर» भारत में निर्धनता रेखा का आकलन NSSO करता है निर्धनता रेखा की आकलन के लिए प्रति व्यक्ति आय एवं प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यकता अर्जा से की जाती है।

2. भारत में अंतर्राज्यीय निर्धनता में विभिन्नता के कारण बताइए।

उत्तर» भारत में अलग-अलग राज्य की निर्धनताओं की सं में अंतर दिखाई जाती है। कुछ राज्यों में निर्धनता की संख्या अधिक है जो तो कुछ राज्य में बहुत क जिसका कई कारण है। जिस राज्य की शिक्षा व्यवस्थ रोजगार, भौगोलिक दशा आदि खराब है वहां निर्धनता की संख्या अधिक है एवं जो राज्य शिक्षा एवं रोजग में आगे है वहां निर्धनता कम।

3. भारत में निर्धनता के प्रमुख कारकों पर चर्चा करें।

उत्तर»(i) भूमिहीनता

ⓐ मूलभूत आवश्यकताओं का अभाव : भोजन, कपड़ा और मकान जैसे बुनियादी जरूरतों को पूरा न कर पाना।

ⓑ आय और रोजगार की कमी : आय के साधनों की कमी के कारण जीवन स्तर बहुत निम्न होना।

(ii) बेरोजगारी

DATE
PAGE NO.

(a) काम की कमी : योग्य और इच्छुक लोगों को आजीविका के लिए रोजगार न मिल पाना।

(b) आर्थिक समस्या : उत्पादक कार्य न मिलने से आय का साधन बंद होना और गरीबी बढ़ना।

(iii) परिवार का आकार
– घर में रहने वाले सदस्यों की कुल संख्या से है।

(iv) निरक्षरता
– निरक्षरता का अर्थ है पढ़ने - लिखने में असमर्थता, जो एक सामाजिक अभिशाप है।

(v) कुपोषण
– कुपोषण का अर्थ है शरीर को आवश्यक पोषक तत्व सही मात्रा में न मिलना या बहुत अधिक मिलना।

(vi) असहायता
– असहायता का अर्थ है बेबसी, लाचारी या सहारे का अभाव।

Scanned with OKEN Scanner